



Literacy for a Billion

Movie: Miss Mary

Year: 1957

ओ रात के मुसाफिर
चंदा जरा बता दे
मेरा कुसूर क्या है
तू फैसला सुना दे

ओ रात के मुसाफिर
चंदा जरा बता दे
मेरा कुसूर क्या है
तू फैसला सुना दे

है भूल कोई दिल की
आँखों की या खता है
कुछ भी नहीं तो
मुझसे फिर क्यूँ कोई खफ़ा है

है भूल कोई दिल की
आँखों की या खता है
कुछ भी नहीं तो
मुझसे फिर क्यूँ कोई खफ़ा है
फिर क्यूँ कोई खफ़ा है
मंजूर है वो मुझको
जो कुछ भी तू सजा दे

मेरा कुसूर क्या हैं
तू फैसला सुना दे

ओ रात के मुसाफिर
चंदा जरा बता दे
मेरा कुसूर क्या हैं

Song: O Raat Ke Musafir

Lyricist: Rajinder Krishan

तू फैसला सुना दे
दिल पे किसी को अपने
काबू नहीं रहा है
ये राज़ मेरे दिल से
आँखों ने ही कहा है

दिल पे किसी को अपने
काबू नहीं रहा है
ये राज़ मेरे दिल से
आँखों ने ही कहा है
आँखों ने ही कहा है

आँखों ने जो है देखा
दिल किस तरह भुला दे
मेरा कुसूर क्या हैं
तू फैसला सुना दे

वो चांद आसमाँ के
दम भर जमीं पे आ जा
भूला हुआ है राही
तू रास्ता दिखा जा
तू रास्ता दिखा जा

भटकी हुई हं नइया
साहिल इसे दिखा दे
मेरा कुसूर क्या है
तू फैसला सुना दे

ओ रात के मुसाफिर



Literacy for a Billion

चंदा जरा बता दे
मेरा कुसूर क्या है
तू फैसला सुना दे

मेरा कुसूर क्या है
तू फैसला सुना दे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.